सार्थक परिवार की ओर से आप सबका हार्दिक स्वागत है, विकास निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। हम गांधी जी के विचारों से प्रभावित हैं। ग्रामीण विचार गाँधी जी का विचार गाँव की अपनी संपाति और परंपरागत धरोहर तथा स्वरचित, स्वनियमित स्वफूर्ट पंचायत प्रणाली के समुदायिकता सहकारिता ग्राम स्वाराज समानता सहभागिता पर आधारित था यह कोई नया विचार नहीं था। बल्कि कई वर्ष में विकसित भारत के सामाजिक संबंध और सामूहिकता और सहकारिता के आधारभूत मंत्र पर चलने वाली व्यवस्था को पहचानना और उसी को सशक्त और समृद्ध करके प्रगति करने वाला विचार था। किन्तु अभी जिस तरह के विकास को देखते हैं उसमें स्थाईतत्व नहीं है। आज इन्हें स्थाई विकास की आवश्यकता है। जिसके लिए क्या मार्ग हो सकता है ---- जो भी मार्ग हो उसमें सभी जनों को ससम्मान समान अवसर प्राप्त हो। प्रकृति के स्वभाव, प्रकृति संसाधन को टेस न पहुँचे। महिला बच्चे हर वर्ग को मूलभूत आवश्यकता रोटी, मकान, शिक्षा, सुरक्षा मिले। इसके लिए छोटे छोटे मार्ग निर्धारित करने होंगे। मूल समस्या को पहचान कर, संसाधन का उचित उपयोग गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, जन जागरूकता,योजनानुसार उसका हल निकाल परिणाम प्राप्त करना। संस्था इसी समझ को लेकर लोगों के स्थाई जन विकास के लिया अपने प्रयास कर रही है।